



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 161 ]  
No. 161]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 13, 1997/फाल्गुन 22, 1918  
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 13, 1997/PHALGUNA 22, 1918

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

( नागरिक पूर्ति विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1997

का.आ. 193(अ).—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संधिदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन सेन्ट्रल इंडिया कॉटन एसोसिएशन लि., उज्जैन द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोसिएशन को हुई में अग्रिम संधिदा के बारे में 1 अप्रैल, 1997 से 31 मार्च 1999 (जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं) तक के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अधधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएंगे।

[मिसिल सं. 12(1)/आई.टी./97]

एस.सी. ब्रह्म, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Civil Supplies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th March, 1997

S.O. 193(E).—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Central India Cotton Association Limited, Ujjain and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of 2 years from 1st April, 1997 to 31st March, 1999 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by Forward Markets Commission.

[F. No. 12/(1)/IT/97]

S.C. BRAHMA, Jt. Secy.

